भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
ल खत प्रश्न सं. †1260
सोमवार, 25 जुलाई, 2022/03 श्रावण, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

इको-पर्यटन परियोजनाएं

†1260. श्री एस. ज्ञानतिरा वयमः
डॉ. राजश्री मल्लिकः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) देश में वशेष रूप से ओ डशा और त मलनाडु में इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लए कए गए/कए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को व भन्न पर्यटन परियोजनाओं को लागू करने के लए ओ डशा और त मलनाडु राज्य सरकार से अतिरिक्त केंद्रीय नि ध मुहैया कराने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ग) यदि हां, तो इको-पर्यटन परियोजनाओं के संबंध में व भन्न राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों के संबंध में ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है; और

(ङ) गत पांच वर्षों के दौरान पर्यटन को बढ़ावा देने और उससे अर्जित राजस्व के लए वर्ष-वार क्या उपाय कए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय, भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। अपनी चल रही गति व धयों के हिस्से के रूप में, यह देश के व भन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लए , 'अतुल्य भारत' ब्रांड-लाइन के तहत , वदेशों में महत्वपूर्ण और संभा वत बाजारों में वैश्विक प्रंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मी डया अ भयान जारी करता है।

 वश्व स्तर पर भारत को पारिस्थितिक पर्यटन के लए एक पसंदीदा गंतव्य का स्था न देने के लए, पर्यटन मंत्रालय ने पारिस्थितिकी-पर्यटन पर एक राष्ट्रीय रणनीति तैयार की है। रणनीति दस्तावेज में पारिस्थितिक पर्यटन के वकास के लए निम्न ल खत रणनीतिक स्तम्भो की पहचान की गई है:

(i) राज्य मूल्यांकन और रैं कंग
(ii) पारिस्थितिकी पर्यटन के लए राज्य की रणनीति
(iii) आईईसी, क्षमता निर्माण और प्रमाणन

(iv) वपणन एवं संवर्धन
(v) गंतव्य और उत्पाद वकास
(vi) सार्वजनिक निजी और सामुदायिक भागीदारी
(vii) शासन और संस्थागत ढांचा

देश में सतत पर्यटन और पर्यावरण पर्यटन का वकास करने हेतु स चव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय सतत पर्यटन बोर्ड का गठन कया गया है , जिसमें व भन्न रणनीतिक पहलों के संचालन और कार्यान्वयन के उद्देश्य से चह्नित केंद्रीय मंत्रालयों/ संगठनों, राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनि ध शा मल हैं:-

(i) वस्तृत कार्य योजनाएं और सम र्पत योजनाओं का निर्माण
(ii) प्रमाणन योजनाएं
(iii) क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रतिकृति
(iv) वपणन एवं संवर्धन
(v) निजी क्षेत्र की भागीदारी
(vi) गंतव्य और उत्पाद वकास
(vii) सतत और पारिस्थितिक पर्यटन के लए व शष्ट रणनीतियां
(viii) देश में सतत और पारिस्थितिक पर्यटन के वकास के लए कोई अन्य उपाय।

उपरोक्त के अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने अवसंरचना वकास के लए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वत्तीय सहायता प्रदान करने के लए 2014-15 में स्वदेश दर्शन योजना शुरू की है। योजना के तहत "इको-परिपथ" को एक वषयगत परिपथ के रूप में चह्नित गया था। पर्यटन मंत्रालय ने अब स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य पर्यटन और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण के बाद स्थायी और जिम्मेदार स्थलों को वक सत करना है। स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के लए दिशानिर्देश राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को जारी कए गए हैं।

(ख) से (घ): पर्यटन मंत्रालय द्वारा ओ डशा और त मलनाडु राज्यों में अपनी स्वदेश दर्शन योजना और प्रशाद योजना के तहत पहले ही परियोजनाओं को स्वीरकृति प्रदान की गई है , जैसा क नीचे दिखाया गया है: -

स्वदेश दर्शन:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परिपथ	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श (करोड़ रुपए में)
ओड़ीशा	तटीय परिपथ	**2016-17**	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और ताम्परा का वकास	**70.82**
त मलनाडु	तटीय परिपथ	**2016-17**	चेन्नई-ममल्लापुरम-रामेश्वरम-मनपाडु-कन्याकुमारी का वकास	**73.13**

प्रशाद :

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	अनुमोदित लागत (करोड़ रुपए में)
ओड़ीशा	**2014-15**	मेगा परिपथ के तहत देउली पुरी, में श्री जगन्नाथ धाम - रामचंडी - प्राची रिवर फ्रंट में बुनियादी संरचना का वकास	**50.00**
त मलनाडु	**2016-17**	कांचीपुरम का वकास	**13.99**
	2016-17	वेल्लंकानी का वकास	**4.86**

इसके अलावा, स्वदेश दर्शन योजना के तहत ईको- पर्यटन एक अ भज्ञात थीम है और इस थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ववरण अनुबंध में दिया गया है।

वर्ष 2018-19 के बाद स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत करने के लए कसी भी नई परियोजना पर वचार नहीं कया गया क्यों क योजना की समीक्षा की जा रही थी और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों को वापस कर दिया गया था। जहां तक स्वदेश दर्शन 2.0 योजना का संबंध है, अभी तक स्वीकृत करने के लए कोई नया परियोजना प्रस्ताव तैयार नहीं कया गया है।

(ड.): पर्यटन मंत्रालय , वदेशों में भारतीय मशनों के साथ वदेशों में अपने भारतपर्यटन कार्यालयों के माध्यम से देश में व भन्न पर्यटन उत्पादों और गंतव्यों का संवर्धन करने और वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लए पर्यटन सृजक बाजारों में भारत को एक पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में स्था पत करने का प्रयास करता है। इन उद्देश्यों को एक एकीकृत वपणन और प्रचार रणनीति , वैश्विक मी डया अ भयान और यात्रा व्यापार , राज्य सरकारों और वदेशों में भारतीय मशनों के सहयोग से एक समन्वित प्रचार उपायों के माध्यम से पूरा कया जाता है। पर्यटन मंत्रालय के अनुरोध पर , वदेश मंत्री ने अक्टूबर , 2021 में शीर्ष 20 स्रोत बाजारों के भारतीय मशनों में पर्यटन अ धकारियों को ना मत कया है।

पर्यटन मंत्रालय ने भारत को पर्यटन उत्पादक बाजारों में पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने के लए वर्चुअल रोड शो- अतुल्य भारत 2022 फर से जोड़ें (इनक्रे डबल इं डया रीकनेक्ट 2022) आयोजित कया है। पर्यटन मंत्रालय ने अप्रैल-मई 2022 में ओमान , यूएसए, जर्मनी, ऑस्ट्रे लया, संगापुर, थाईलैंड, स्पेन और यूके में व भन्न वर्चुअल रोड शो सफलतापूर्वक आयोजित कए हैं।

पर्यटन मंत्रालय 'घरेलू संवर्धन और प्रचार सहित आतिथ्य (डीपीपीएच) ' और 'बाजार वकास सहायता सहित वदेशी संवर्धन और प्रचार ' (ओपीएमडी) की अपनी योजनाओं के माध्यम से देश में पर्यटन को बढ़ावा देता है। इन योजनाओं के तहत , पर्यटन मंत्रालय देश के व भन्न

पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लए 'अतुल्य भारत' ब्रांड-लाइन के तहत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मी डया अ भयान जारी करता है।

पर्यटन मंत्रालय देश के भीतर घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रचार करने के लए व भन्न गति व धयां भी चलाता है। इन गति व धयों का मुख्य उद्देश्य पर्यटन स्थलों और उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाना , देश के भीतर पर्यटन को बढ़ावा देना , आला पर्यटन उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना , सामाजिक जागरूकता के संदेश फैलाना और पर्यटन क्षमता वाले कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है।

पर्यटन मंत्रालय ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लए देश की समृद्ध वरासत , संस्कृति, कम ज्ञात स्थलों, स्थानीय गंतव्य के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता उत्प,न्नक करने के उद्देश्य से जनवरी 2020 में "देखो अपना देश" पहल भी शुरू की है। इस पहल के तहत मंत्रालय कम ज्ञात स्थलों, वरासत, संस्कृति, निरोगता, स्थानीय पर्यटन स्थलों आदि सहित देश और इसके पर्यटन स्थलों /उत्पादों के बारे में जनता के बीच जागरूकता उत्पून्नस करने के लए वेबिनार, ऑनलाइन प्रतिज्ञा और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम जैसी प्रचार गति व धयों का भी कार्यान्वबयन कर रहा है। देखो अपना देश पहल सोशल मी डया प्लेटफॉर्म और मंत्रालय की वेबसाइट और घरेलू भारतपर्यटन, कार्यालयों द्वारा भी व्यापक रूप से प्रचारित कया जा रहा है।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन के माध्यम से उत्पन्न राजस्व पर डेटा नहीं रखा जाता है।

****

अनुबंध

ईको-पर्यटन परियोजनाओं के संबंध में दिनांक **25.07.2022** को लोक सभा में पूछे गए ल खत प्रश्न संख्या +**1260** के भाग (ख) से (घ) के उत्तर में ववरण।

देश में स्वदेश दर्शन योजना के ईको- परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ववरण

(रा श करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्ये का नाम	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत की गई रा श	जारी की गई रा श
1.	उत्तराखंड	**(2015-16)**	टिहरी-चंबा-सरैण टिहरी झील के आसपास का वकास।	**69.17**	**65.71**
2.	तेलंगाना	**(2015-16)**	महबूबनगर जिले में ईको पर्यटन परिपथ का वकास	**91.62**	**87.04**
3.	केरल	**(2015-16)**	पथानाम थ ा - गावी- वागामोन-थेक्काडी का वकास	**76.55**	**61.24**
4.	मजोरम	**(2016-17)**	आइजोल-रॉपुइछिप-ख्वाफावप-लेंगपुई-चटलांग-साकावर्मुइतुएटलांग-मुथी-बेरातलावंग-तुइरियल एयरफील्ड-हमुइफांग इको-एडवेंचर परिपथ का वकास	**66.37**	**49.53**
5.	मध्य प्रदेश	**(2017-18)**	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध-ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ा घाट- बाणसागर बांध- केन नदी का वकास	**94.61**	**88.58**
6.	झारखंड	**(2018-19)**	दलमा-बेतला राष्ट्रीय उद्यान-मर्चैया-नेतरहाट का वकास	**34.12**	**26.37**
			योग	**432.44**	**378.47**

****